APRIL - JUNE 2018

NIFPHATT NEWS

A Publication Of National Institute Of Fisheries Post Harvest Technology & Training

HIGHLIGHTS OF TRAINING PROGRAMME

During the first quarter, 13 batches of College students attended "On the Job Training. One Ph.D. Scholar from Kerala University of Fisheries and Ocean Studies, Panagad, Kochi and one candidate from Industry attended the training on 'Microbiological Analysis of Seafood'. In addition to this, 6 students from College of Fisheries, Bihar and 6 apprentice trainees enrolled last year, also continued their training till date. The total number of beneficiaries were 150 and the Institute fetched a total of Rs. 1,42,000/- as revenue through training during the first quarter of the year.

TRAINING PROGRAMME AT VIZAG UNIT

Vishakhapatnam unit of NIFPHATT offered one month 'on the job training' to 16 students from R.D.S. College, Bihar from 15.06.2018 to 16.07.2018. The training provides an exposure on the various preservation techniques of fish and fishery products. Apart from this, 3 persons from Industry were also benefited by the training on fisheries post-harvest technology during this period.

NIFPHATT Welcomes .....

Dr. Mithlesh Kumar Chouksey, assumed the charge of Director, National Institute of Fisheries Post Harvest Technology and Training on 21st May 2018.

Dr. Chouksey has rendered his services to ICAR-CIFE, Mumbai in Post Harvest Technology discipline for more than three decades. During the tenure he had more than 20 research papers in refereed and international journals, a practical manual on 'Fish Processing Technology', about 50 technical/ conference papers/ book chapters/popular articles etc. in his credit. More than 35 M.F.Sc. and 10 Ph.D students submitted their thesis under his supervision. He has been associated with 17 institutional and externally funded projects. He was the member of several managerial institutional committees. He acted as a Deputy Controller Examination for last two and a half years. He is reviewer of peer- reviewed journals, published by ' Springer/Science Direct/Elsevier'

PASSING OUT OF APPRENTICE TRAINEES

Mr. Aswin T.S. and Ms. Anila M.A. from Govt. Vocational Higher Secondary School, Kadamakudy, Ernakulam has successfully completed one year apprenticeship training in fisheries post harvest technology sponsored by the Regional Directorates of Apprenticeship Training (RDAT), Chennai jointly with the Directorate of Vocational Higher Secondary Education, Govt. of Kerala. The candidates were given intensive training in various aspects of post harvest technology.

FACULTY IMPROVEMENT TRAINING PROGRAMME FOR CIFNET OFFICIALS

NIFPHATT offered two days Practical refresher course on Tuna handling and processing to 8 officials from CIFNET during 25-26 June, 2018. During the training programme, practical demonstration on different fish processing techniques like freezing, canning, value addition and sashimi tuna handling were covered. The programme successfully completed with positive feedback from the trainees.

Officials from CIFNET

UNETHICAL AND UNSCRUPULOUS PRACTICES IN DOMESTIC FISH TRADE/ FISH HANDLING

It has been recently reported by a section of the media and by government agencies that a minority of fish traders/ fish handlers/ transporters are resorting to the practice of using hazardous and unconventional chemicals for fish preservation especially during long range transportation from neighbouring States. It is believed that such chemicals are being blended with ice either during ice making or after/ while crushing. Some of such chemicals are legally permitted to be used in prepared foods at prescribed levels only as antimicrobial agents, such as sodium benzoate. Other chemicals used include formalin or ammonia and are carcinogenic or highly harmful when consumed, therefore have no roles in the food processing/preservation regimes. The advantage of no physical or organoleptic quality changes of fish when such chemicals are used, makes it convenient for them to use it. Even though such people are a minority, the damage caused by them to the industry is enormous and may take years to regain the confidence of the consumers. Anyway it's a relief that the government agencies have intervened immediately and confidence building measures are on.

The parties who were at the receiving end are the primary producers/ fishermen community of the State. They were forced to sell off their produce at throw away prices or often discarded due to the fall in demand.

There was an unprecedented surge in the test marketing activities of NIFPHATT during these periods, as the consumers are well aware of the fact that this Institute's activities are development in nature and not on commercial motto. And that the raw materials are sourced through the government department vessels and fishermen cooperative societies and also that procurement, processing, storage and release of the products are through stringent quality inspection.

OBSERVANCE OF SPECIAL DAYS

Anti- Terrorism Day May 21, 2018

World Environment Day June 5, 2018

SWACHHTA CAMPAIGN
JUNE 15, 16, 2018

International Day of Yoga
June 21, 2018

FAIRS & EXHIBITION

1. "7th Krishi Fair 2018" sponsored by Shree Shrikshetra Soochana from 03.06.2018 to 07.06.2018 at Puri Odisha
2. 'Mathrubhumi Krishikamela" sponsored by Mathru bhumi from 04.04.2018 to 10.04.2018 at Govt Boys Higher secondary School ground, Perumbavoor, Ernakulam, Kerala.

PERSONALIA

APPOINTMENT

Dr. Mithlesh Kumar Chouksey appointed as Director w.e.f. 21.05.2018

TRANSFER

Shri. P Baiju Marketing Assistant transferred from Vizag unit to Head Quarters, Kochi w.e.f. 02.05.2018

प्रशिक्षण कार्यक्रम की विशेषताएँ

प्रथम तिमाही के दौरान,कॉलेज के छात्रों ने 3 बैचों में कार्यस्थलीय प्रशिक्षण प्राप्त किया। मात्स्यिकी और सागर अध्ययन,केरल विश्वविद्यालय, पनंगाड,कोची के एक पी.एचडी स्कॉलर और मात्स्यिकी उद्योग के एक व्यक्ति ने समुद्री खाद्य के सूक्ष्म जैविकी पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त गत वर्ष मात्स्यिकी कॉलेज,बिहार के 6 छात्रों और 6 प्रशिक्षुता प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के लिए भरती की गई और आज तक वे प्रशिक्षण पर है। कुल हितभोगी 150 थे और प्रथम तिमाही के दौरान प्रशिक्षण से संस्थान ने रू:1,42,000 का राजस्व प्राप्त किया।

प्रशिक्षुता प्रशिक्षणार्थियों का पासिंग अउट

क्षेत्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण निदेशालय ,चेन्नई और व्यावसायिक उच्च माध्यमिक शिक्षा निदेशालय,केरल सरकार द्वारा संयुक्त रूप से प्रायोजित श्री.अश्विन टी.एस और सुश्री.अनिता एम.ए ने मात्स्यिकी पोस्ट हार्वस्ट प्रौद्योगिकी में एक साल वाला प्रशिक्षुता प्रशिक्षण सफलतापूर्वक समाप्त किया । प्रशिक्षणार्थियों को पोस्ट हार्वस्ट प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं पर गहन प्रशिक्षण दिया गया।

वैजाग यूनिट में प्रशिक्षण कार्यक्रम

निफैट की विशाखपटनम यूनिट ने 15.6.2018 से 16.7.2018 तक आर.डी.एस कॉलेज,बिहार के 16 छात्रों को कार्यस्थलीय प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण से मछली और मत्स्य उत्पादों की विभिन्न परिरक्षण प्रविधियों पर जानकारी प्राप्त हुई। उसके अलावा, इस अवधि के दौरान मात्स्यिकी उद्योग के एक व्यक्ति मात्स्यिकी पोस्ट हार्वस्ट प्रौद्योगिकी पर आयोजित प्रशिक्षण से लाभान्वित हुआ।

सिफनेट के कर्मचारियों के लिए संकाय सुधार प्रशिक्षण कार्यक्रम

निफैट ने 25-26,जून,2018 के दौरान सिफनेट के 8 कर्मचारियों के लिए ट्यूना हैंडलिंग और प्रसंस्करण पर प्रायोगिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान हिमीकरण,डिब्बाबंदी,मूल्य वर्धन और सशमी ग्रेड ट्यूना के हैंडलिंग जैसे विभिन्न प्रसंस्करण प्रविधियों पर जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षणार्थियों से सकारात्मक फीडबैक भी प्राप्त हुआ।

भ्रष्टाचार विरुद्ध दिवस	**21,मई,2018**
विश्व पर्यावरण दिवस	**5,जून,2018**
स्वच्छता अभियान	**15-16,जून,2018**
अंतर्राष्ट्रीय योगा दिवस	**21,जून,2018**

प्रदर्शनियाँ और व्यापार मेला

1 पुरी,उडीषा में 3.6.2018 से 7.6.2018 तक श्री श्रीक्षेत्रा सूचना द्वारा आयोजित .7वें कृषि मेला 2018

2. सरकारी बॉइस उच्च माध्यमिक पाठशाला मैदान में 4.4.2018 से 10.4.2018 तक मातृभूमि द्वारा प्रायोजित मातृभूमि कृषिमेला ।

जीवनी

नियुक्ति

डॉ.मिथलेश कुमार चौकसे को 21.5.2018 को निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया।

स्थानांतरण

श्री.पी.बैजु,विपणन सहायक को निफैट वैजाग से निफैट मुख्यालय में 2.5.2018 से स्थानांतरित किया गया।

निफैट स्वागत करता है.....

डॉ.मिथलेश कुमार चौकसे ने 21.5.2018 को राष्ट्रीय मात्स्यिकी पोस्ट हार्वस्ट प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षण संस्थान,कोची में निदेशक के पद के कार्यभार ग्रहण किए। डॉ.चौकसे ने भा.कृ.अनु.प-सी.आई.एफ.ई,मुंबई में 3 दशकों के अधिक समय पोस्ट हार्वस्ट प्रौद्योगिकी पर केंद्रित करके में सेवा की है। अपने कार्यकाल के दौरान संदर्भित और अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों में उन्हें द्वारा लिखित 20 से अधिक शोध पत्रों का प्रकाशन हुआ और मत्स्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी में प्रायोगिक मैनुअल,करीब 50 तकनीकी और सम्मेलन आलेख,पुस्तकों और लोकप्रिय लेख आदि का सृजन उनके कर कमलों से हुआ। लगभग 35 एम.एफ.एस.सी और 10 पी.एच.डी छात्रों ने उनके पर्यवेक्षण में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए । वे 17 संस्थागत और बाहरी रूप से निधिबद्ध परियोजनाओं से सहयोगी रहे। वे अनेक प्रबंधकीय संस्थागत समितियों में सदस्य रहे। उन्होंने गत ढाई सालों से उप नियंत्रक,परीक्षा की हैसियत में सेवा की। 'Springer/Science Direct/Elsevier' के पियर-रिव्यूड जर्नलों के समीक्षक रहे।

मछली का घरेलू व्यापार और हैंडलिंग में अनैतिक और विवेकहीन व्यवहार

हाल में माध्यम के एक अनुभाग और सरकार अभिकरणों ने रिपोट की कि कुछ मत्स्य व्यापारियों,मत्स्य संचालकों और परिवाहकों द्वारा मछली के परिरक्षण के लिए हानिकारक और अपारंपरिक रसायनिकों का प्रयोग किया जा रहा है और इसका इस्तेमाल विशेष रूप से पडोसी राज्यों से लंबी दूरी वाले परिवहन के दौरान किया जा रहा है। यह माना जाता है कि ऐसे रसायनिकों को बर्फ से उसके निर्माण के दौरान या उसके पश्चात क्रशिंग के समय मिलाया जाता है। कुछ रसायनिक जैसै सोडियम बेनजोनेट को प्रतिसूक्ष्मजीवी कारक के रूप में तैयार खाद्यों में निहित स्तर में मिलाने की न्यायिक अनुमति दी गई है। प्रयुक्त अन्य रसायनिक में फौर्मालिन या एमोणिया शामिल है जौ खाने के लिए अत्यंत हानिकारक या कैन्सरजनी हौते है और इसी के कारण खाद्य प्रसंस्करण या परिरक्षण में उसकी कोई भूमिका ही नहीं रहती। भले ही इसका प्रयोग करने वाले लोग ज्यादा कम है लेकिन मत्स्य उद्योग में इससे होनेवाली नुकसान बहुत बडा है और उपभोक्ताओं का विश्वास को पुनः हासिल करने में ज्यादा वक्त लगेगा। यह राहत मिलने वाली बात है कि सरकार ने उचित समय खास मामले पर अंतःक्षेप किया और उपभोक्ताओं के बीच फरोसा सृजित करने का कार्य जारी है।

राज्य के मछुआ समुदाय और छोटो उत्पादक इससे बाधित हो गए। मांग में गिरावट आने पर वे अपने उत्पादों को कम कीमत में भेजने या छोड देने के लिए मजबूर हो गए है।

इन अवधियों में निफैट के परीक्षण विपणन गतिविधियों में अप्रत्याशित हिलोर संभावित हुई क्योंकि उपभोक्ताओं को मालूम है कि निफैट की गतिविधियाँ वाणिजियक लक्ष्य पर नहीं बल्कि विकास पर केंद्रित है । कच्चे माल विभागीय जलयानों और सहकारी संघों के माद्यम से प्राप्त किया जाता है और मछली का प्रापण,प्रसंस्करण,भंडारण और उत्पादों का निर्गम सख्त गुणता परीक्षा के माद्यम से होता है।

सत्यमेव जयते

NATIONAL INSTITUTE OF FISHERIES POST HARVEST TECHNOLOGY & TRAINING

Dept. of Animal Husbandry, Dairying & Fisheries
Ministry of Agriculture And Farmers Welfare
Kochi - 16, Kerala, India, ifpchn@nic.in, www.ifpkochi.gov.in

Printed & Published by Dr. Mithlesh Kumar Chouksey, Director, NIFPHATT, Printed at St.Francis Press, Ernakulam